राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो एवं अधीनस्थ क्षेत्रीय केन्द्रों में राजभाषा गतिविधियां

एनबीपीजीआर मुख्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में किए गए कार्य

हिन्दी महोत्सव मास का आयोजन : दिनांक 01 से 30 सितम्बर 2022 तक एनबीपीजीआर में हिन्दी महोत्सव मास का आयोजन किया गया। इस दौरान 1 सितंबर को हिन्दी माह का शुभारंभ भी किया गया । उदघाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मानित भाषावादी एवं प्रख्यात कवि श्री लक्ष्मी शंकर वाजपेयी जी उपस्थित थे । इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने कहा कि सरकारी कामकाज में हिन्दी का प्रयोग महत्वपूर्ण है। स्वतन्त्रता के 75 वर्षो के दौर में इस क्षेत्र में हिन्दी की प्रगति उत्साहवर्धक रही है। उन्होंने इस बात को भी रेखांकित किया कि किसी भी देश को उत्थान प्राप्त करने में मातृभाषा में कार्य सर्वाधिक सहयोगी रहा है। आज हमें थोपी जाने वाली अंग्रेजी से दूर हटकर हिन्दी और क्षेत्रीय भाषाओं को उच्चस्तर एवं तकनीकी तथा व्यवसायिक शिक्षा में शामिल कर आगे बढ़ने की आवश्यकता है। उदघाटन कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के रूप में संस्कृति मंत्रालय में हिन्दी सलाहकर समिति के सदस्य डॉ हरि सिंह पाल जी मौजूद थे। उन्होने अपने वक्तव्य के दौरान हिन्दी भाषा के विश्व स्तर पर प्रसार की चर्चा करते हुए कहा कि आज हिन्दी भाषा को विश्व स्तर पर पहचान मिल रही है जो हिन्दी की व्यापकता को प्रदर्शित करता है। कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ अशोक कुमार सिंह, कार्यकारी निदेशक, एनबीपीजीआर ने वैज्ञानिक एवं शोध संस्थानों में हिन्दी भाषा में कार्यों की प्रमुखता पर प्रकाश डाला। प्रशासन प्रमुख श्री प्रद्युम्न कुमार जैन द्वारा स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों के स्वागत के उपरांत उप निदेशक (राजभाषा) श्री आशुतोष कुमार ने हिन्दी महोत्सव मास के दौरान आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी दी और सभी का आभार प्रकट किया ।

हिन्दी दिवस के अवसर पर सरकारी कामकाज में हिन्दी के प्रयोग को प्रोत्साहित करने और हिन्दी में कार्य सहज करने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे वाद -विवाद, आशुभाषण, निबंध लेखन , टिप्पण और प्रारूप लेखन, कंप्यूटर पर यूनिकोड में टाइपिंग, भाषा पर चर्चा, कविता पाठ, प्रश्न मंच आदि का आयोजन किया गया।

वार्षिक राजभाषा पुरस्कार वितरण

एनबीपीजीआर में दिनांक 01 से 30 सितंबर 2022 तक हिन्दी माह आयोजित किया गया। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताएं /कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें एनबीपीजीआर के वैज्ञानिकों / प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया । इन प्रतियोगिताओं के सफल प्रतिभागियों को पुरस्कृत करने के लिए एनबीपीजीआर में वार्षिक राजभाषा पुरस्कार समारोह का आयोजन 20 दिसम्बर 2022 को प्रात : 10.30 बजे डॉ बी पी पाल सभागार एनबीपीजीआर में किया गया। उक्त समारोह में पुरस्कार विजेताओं के उत्साहवर्धन एवं प्रमाण – पत्र प्रदान करने के लिए मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय शैक्षिणिक प्रोद्योगिकी फोरम के अध्यक्ष एवं एआईसीटीई के पूर्व अध्यक्ष डॉ अनिल सहस्रबुद्धे उपस्थित थे। उन्होंने हिन्दी अनुवाद कार्यों को सरल बनाने संबंधी आधुनिक तकनिकियों से अवगत कराया। समारोह के अध्यक्षीय उद्बोधन के दौरान बोलते हुए निदेशक डॉ ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि कृषि विज्ञान संबंधी कार्यों को हिन्दी में किया जाना किसानों के हितों को देखते हुए अत्यंत आवश्यक है।

हिन्दी कार्यशालाएं

पहली कार्यशाला 09 मार्च, 2021 को आयोजित की गई थी। जिसका विषय था 'सरकारी काम-काज सरल एवं सहज रूप से हिन्दी भाषा में ई-टूल्स के माध्यम से करना । दूसरी कार्यशाला 22 जून 2022 को आयोजित की गई जिसका विषय था हिन्दी में टिप्पण एवं प्रारूप लेखन । तीसरी कार्यशाला दिनांक 12 सितम्बर, 2022 को भाषाओं का विलुप्तिकरण और संरक्षण विषय पर की गई । चौथी कार्यशाला राजभाषा के संवैधानिक प्रावधान और तिमाही रिपोर्ट विषय पर दिनांक 29 दिसम्बर, 2022 को आयोजित की गई।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों का आयोजन

निदेशक आईसीएआर-एनबीपीजीआर की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 4 बैठकें क्रमशः दिनांक 23 अक्टूबर 2021, 29 अप्रैल, 2021, 12 अगस्त 2022, और 9 नवंबर 2023 को आयोजित की गई।

राजभाषा निरीक्षण

हिंदी की प्रगति का जायजा लेने के लिए रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान एनबीपीजीआर के विभिन्न क्षेत्रीय केन्द्रों का राजभाषाई निरीक्षण किया गया। इसके अंतर्गत कुल 4 कार्यालयों जोधपुर, शिमला, रांची और हैदराबाद स्थित क्षेत्रीय केन्द्रों का निरीक्षण किया गया और पाई गई कमियों को सुधारने के उपाय सुझाए गए।

मूल रूप में हिंदी में कार्य करने हेतु प्रोत्साहन योजना

सरकारी कामकाज में मूल रूप में हिन्दी में काम करने को प्रोत्साहित करने के लिए एनबीपीजीआर में राजभाषा विभाग की हिन्दी नकद प्रोत्साहन योजना चलाई जाती है। इस योजना के अंतर्गत वर्ष 2021-22 के दौरान हिंदी में अधिकाधिक काम करने वाले 5 कार्मिकों को पुरस्कृत किया गया।

क्षेत्रीय केन्द्रों से प्राप्त तिमाही रिपोर्ट और तिमाही बैठकों के कार्यवृत्त की समीक्षा

एनबीपीजीआर के कुल दस क्षेत्रीय केन्द्रों में राजभाषा कार्यान्वयन समितियों का गठन किया गया है तथा उनकी बैठकें आयोजित की जा रही हैं। केन्द्रों से प्राप्त राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों के कार्यवृत्त एवं हिन्दी तिमाही प्रगति रिपोर्टों की समीक्षा की गई और भारत सरकार की राजभाषा नीति के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए आवश्यक सुझाव दिए गए।

एनबीपीजीआर द्वारा चलाई जा रही पुरस्कार योजनाएँ

राजभाषा शील्ड पुरस्कार योजना: इस योजना के तहत राजभाषा के उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए 'क', 'ख', क्षेत्र में स्थित केंद्र के लिए एक तथा 'ग' क्षेत्र में स्थित केंद्र के लिए एक को पृथक रूप से पुरस्कृत किया जाता है। वर्ष 2021-22 के लिए दोनों वर्गों में हिन्दी में अधिकतम कार्य करने के लिए पुरस्कृत करने की प्रक्रिया जारी है।

विश्व हिन्दी दिवस का आयोजन

एनबीपीजीआर, नई दिल्ली में दिनांक 10 जनवरी 2022 को ऑनलाइन रूप में विश्व हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भारत के अतिरिक्त विश्व के विभिन्न देशों से वक्ताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने हिन्दी को विश्वपटल पर उपयुक्त स्थान प्रदान करने और हिन्दी के वैश्विक प्रसार पर विस्तारपूर्ण चर्चा की गई। इस कार्यक्रम में आईसीएआर के संस्थानों के लगभग 150 से ज्यादा हिन्दी प्रेमियों ने भाग लिया।

राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में किए गए अन्य कार्य

एनबीपीजीआर के विभिन्न केन्द्रों द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम हिन्दी व अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में चलाए जा रहे हैं। संस्थान की विभिन्न परियोजनाओं के अंतर्गत देश के भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में हिन्दी भाषा में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त एआईसीआरपी प्रोजेक्ट के अंतर्गत देश के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों के माध्यम से हिन्दी भाषा में प्रशिक्षण और रिपोर्ट जारी किए जा रहे हैं। संसदीय राजभाषा समिति का निरीक्षण संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप समिति ने वर्ष 2022-23 के दौरान राष्ट्रीय पादप आनुवांशिक संसाधन ब्यूरो के रांची स्थित क्षेत्रीय केंद्र का निरीक्षण किया और केंद्र में हो रहे राजभाषा कार्यान्वयन की प्रगति का जायजा लिया। समिति ने निरीक्षण के दौरान राजभाषा कार्यान्वयन की प्रगति की सराहना करते हुए विभिन्न बिन्दुओं पर अपने सुझाए भी दिए।